पूर्णांक : 100
50×2

स्नातक द्वितीय खंड

मॉडल प्रश्न–पत्र

M.I.L.

(हिंदी)

1. 'आंजनेय' के कवि हैं :
   (क) अज्ञेय (ख) निराला (ग) पंत (घ) श्यामनंदन किशोर
2. 'आंजनेय' के नायक हैं :
   (क) राम (ख) हनुमान (ग) सुग्रीव (घ) रावण
3. 'आंजनेय' का काव्यरूप है :
   (क) महाकाव्य (ख) खंडकाव्य (ग) गीतिकाव्य (घ) मुक्तक काव्य
4. 'आंजनेय' के पंचम सर्ग का शीर्षक है :
   (क) उन्मीलन (ख) संकल्प (ग) स्वर्णवृत्तिका (घ) शरणागत
5. 'संघमित्रा' का साहित्य–रूप है :
   (क) एकांकी (ख) नाटक (ग) गीतिनाट्य (घ) निबंध
6. 'संघमित्रा' के लेखक हैं :
   (क) प्रसाद (ख) पंत (ग) उदयशंकर भट्ट (घ) रामवृक्ष बेनीपुरी
7. 'संघमित्रा' के पिता का नाम है :
   (क) चन्द्रगुप्त (ख) चाणक्य (ग) अशोक (घ) अग्निमित्र
8. 'संघमित्रा के भाई का नाम है :
   (क) राजेन्द्र (ख) महेन्द्र (ग) वीरेन्द्र (घ) धीरेन्द्र
9. नीलमणि किस रचना का पात्र है :
   (क) सिंहलविजय (ख) संघमित्रा (ग) कोणार्क (घ) रामराज्य
10. 'सिंहलविजय' के रचनाकार हैं :
    (क) बेनीपुरी (ख) प्रसाद (ग) भारतेन्दु (घ) जगदीशचन्द्र माथुर
11. 'सिंहलविजय' के मुख्य पात्र हैं :
    (क) अशोक (ख) चाणक्य (ग) चन्द्रगुप्त (घ) सिंहहरण
12. 'रामराज्य' का साहित्य–रूप है :
    (क) एकांकी (ख) गीतिनाट्य (ग) प्रहसन (घ) ध्वनि नाट्य
13. 'रामराज्य' के रचनाकार हैं :
    (क) भारतेन्दु (ख) प्रसाद (ग) बेनीपुरी (घ) पंत
14. 'रामराज्य' में वर्णित दर्शन है :
    (क) गाँधीवाद (ख) मार्क्सवाद (ग) समाजवाद (घ) अस्तित्ववाद
15. स्वागताधिकारी किस नाट्य कृति का पात्र है ?
    (क) रामराज्य (ख) संघमित्रा (ग) सिंहलविजय (घ) कोणार्क
16. पथ प्रदर्शक किस नाट्य कृति का पात्र है?
    (क) सिंहलविजय (ख) रामराज्य (ग) संघमित्रा (घ) कोणार्क
17. 'अमर–ज्योति' का साहित्य–रूप है :
    (क) एकांकी (ख) गीतिनाट्य (ग) प्रहसन (घ) निबंध
18. 'अमर–ज्योति' के रचनाकार हैं :
    (क) भारतेन्दु (ख) पंत (ग) बेनीपुरी (घ) निराला
19. 'अमर–ज्योति' के मुख्य पात्र हैं :
    (क) महात्मा गाँधी (ख) विवेकानन्द (ग) लोहिया (घ) पंडित नेहरू

20. 'सत्य को देखना कठिन है तो उसका कहना कठिनतर' किस रचना की पंक्ति है?
(क) संघमित्रा (ख) कोणार्क (ग) अमर–ज्योति (घ) रामराज्य

21. 'विजेता और विजित की मनोदशा में आकाश–पाताल का अंतर होता है'– किस रचना की पंक्ति है?
(क) संघमित्रा (ख) कोणार्क (ग) विजेता (घ) अमर–ज्योति

22. 'प्रेम और युद्ध एक ही सिक्के के दो पहलू हैं'–किस रचना की पंक्ति है?
(क) कोणार्क (ख) संघमित्रा (ग) विजेता (घ) अमर–ज्योति

23. 'बदला हुआ आदमी संसार को भी बदल देता है'– किस रचना की पंक्ति है?
(क) विजेता (ख) अमर–ज्योति (ग) कोणार्क (घ) संघमित्रा

24. 'यह तो अंधकार है जो एक ही बार ढँक लेता है'–
(क) अमर–ज्योति (ख) कोणार्क (ग) संघमित्रा (घ) विजेता

25. 'आदमी जितना बर्बर और असभ्य रहता है, उतना क्रूर और हिंसक होता है'– किस रचना की पंक्ति है?
(क) रामराज्य (ख) अमर–ज्योति (ग) कोणार्क (घ) विजेता

26. 'सौन्दर्य सिर्फ सुकुमारता में नहीं है'– किस रचना की पंक्ति है?
(क) सिंहल विजय (ख) रामराज्य (ग) विजेता (घ) कोणार्क

27. 'सत्य की सबसे पुराने और बड़ी शत्रु है पूर्व धारणा'– किस रचना की पंक्ति है?
(क) सिंहलविजय (ख) कोणार्क (ग) विजेता (घ) संघमित्रा

28. 'वीरता की सीमा होती है बलिदान'– किस रचना की पंक्ति है?
(क) सिंहलविजय (ख) विजेता (ग) कोणार्क (घ) रामराज्य

29. 'मुक्तिधन' के कहानीकार हैं :
(क) प्रेमचंद (ख) प्रसाद (ग) उग्र (घ) यशपाल

30. रहमान किस कहानी का पात्र है ?
(क) मुक्तिधन (ख) ईदगाह (ग) कफन (घ) सवा सेर गेहूँ

31. लाला दाऊ दयाल किस कहानी का पात्र है?
(क) मुक्तिधन (ख) रामलीला (ग) कफन (घ) पंच परमेश्वर

32. 'विराम चिह्न' के कहानीकार हैं :
(क) प्रसाद (ख) प्रेमचंद (ग) यशपाल (घ) उग्र

33. राधे किस कहानी का पात्र है?
(क) विराम चिह्न (ख) कफन (ग) गुंडा (घ) रामलीला

34. 'काला आदमी' के कहानीकार हैं :
(क) जैनेन्द्र (ख) यशपाल (ग) अज्ञेय (घ) उग्र

35. शेख मुनव्वर अहमद किस कहानी का पात्र है?
(क) काला आदमी (ख) पंच परमेश्वर (ग) गुंडा (घ) कफन

36. 'संवदिया' के कहानीकार हैं :
(क) रेणु (ख) नागार्जुन (ग) कमलेश्वर (घ) अश्क

37. हरगोबिन किस कहानी का पात्र है?
(क) पहलवान की ढोलक (ख) तीसरी क़सम (ग) संवदिया (घ) गुंडा

38. 'मलबे का मालिक' कहानी के रचनाकार हैं :
(क) मोहन राकेश (ख) कमलेश्वर (ग) राजेन्द्र यादव (घ) अश्क

39. गनी मियाँ किस कहानी के पात्र हैं :
(क) मलबे का मालिक (ख) संवदिया (ग) कफन (घ) ईदगाह

40. रक्खा पहलवान किस कहानी के पात्र हैं ?
(क) संवदिया (ख) मलबे का मालिक (ग) कफन (घ) ईदगाह

41. 'खेती की हालत अनाथ बालक की सी है' – किस कहानी की पंक्ति है?
(क) मुक्तिधन (ख) पंच परमेश्वर (ग) मुक्तिमार्ग (घ) कफन

42. 'मातृभक्ति ग्रामीणों का विशिष्ट गुण है'– किस कहानी की पंक्ति है?
(क) मुक्तिधन (ख) पंच परमेश्वर (ग) कफन (घ) सवा सेर गेहूँ

43. 'मनुष्य उदार हो तो फरिश्ता है और नीच हो तो शैतान'– किस कहानी की पंक्ति है?
(क) मलबे का मालिक (ख) पंच परमेश्वर (ग) कफन (घ) गुंडा

44. 'सबकुछ बदल गया लेकिन बोलियाँ नहीं बदली'– किस कहानी की पंक्ति है?
(क) मलबे का मालिक (ख) पंच परमेश्वर (ग) कफन (घ) गुंडा

45. 'अंगारों पर पैर रखना' मुहावरे का अर्थ है :
(क) जान–बूझकर अपने को संकट में डालना (ख) इज्जत उतारना
(ग) बहुत प्यार करना (घ) भाग जाना

46. 'अपना उल्लू सीधा करना' मुहावरे का अर्थ है :
(क) अपना काम निकालना (ख) अपना नुकसान करना
(ग) फूट–फूट कर रोना (घ) काम बिगाड़ना

47. 'अंधा बनाना' मुहावरे का अर्थ है :
(क) आँख फोड़ना (ख) धोखा देना (ग) हत्या करना (घ) डराना

48. 'अपनी खिचड़ी अलग पकाना' मुहावरे का अर्थ है :
(क) सबसे अलग रहना (ख) घर से भाग जाना
(ग) अपना काम बनाना (घ) अपना काम बिगाड़ना

49. 'अपने पाँव में आप कुल्हाडी मारना' मुहावरे का अर्थ है :
(क) जख्मी होना (ख) पाँव में चोट लगाना
(ग) अपनी हानि खुद करना (घ) अपनी प्रशंसा करना

50. 'अंगार बरसना' मुहावरे का अर्थ है :
(क) अधिक गर्मी पड़ना (ख) ज्वालामुखी फूटना (ग) अधिक वर्षा होना (घ) नुकसान होना

51. 'अंगूठा दिखाना' मुहावरे का अर्थ है :
(क) चिढ़ाना (ख) सम्मान देना (ग) नुकसान करना (घ) भागना

52. 'अक्ल का दुश्मन' मुहावरे का अर्थ है :
(क) परेशान (ख) वाचाल (ग) मूर्ख (घ) आलसी

53. 'लोहे के चने चबाना' मुहावरे का अर्थ है :
(क) अत्यंत कठिन काम करना (ख) संकट में होना
(ग) दाँतों की परीक्षा करना (घ) पेट भरकर खाना

54. 'श्रीगणेश करना' मुहावरे का अर्थ है :
(क) समाप्त करना (ख) पूजा करना (ग) साधना करना (घ) शुरू करना

55. 'सिर में कफन बाँधना' मुहावरे का अर्थ है :
(क) चिकित्सक के पास जाना (ख) मरने के लिए तैयार होना (ग) जिम्मेदारी से भागना (घ) सिरदर्द होना

56. 'मिट्टी में मिलाना' मुहावरे का अर्थ है :
(क) पेड़ रोपना (ख) खेती करना (ग) नष्ट–भ्रष्ट करना (घ) संरक्षण देना

57. 'मुँह फेर लेना' मुहावरे का अर्थ है :
(क) उपेक्षा करना (ख) अपेक्षा करना (ग) श्रृंगार करना (घ) छिप जाना

58. 'रंग जमाना' मुहावरे का अर्थ है :
(क) होली खेलना (ख) नाचना–गाना (ग) सम्मान करना (घ) धाक जमाना

59. 'कलेजे पर साँप लौटना' मुहावरे का अर्थ है :

(क) ईर्ष्या या जलन होना (ख) संकट में पड़ना (ग) साँप से डँसा जाना (घ) खुश होना

60. 'खून–पसीना एक करना' मुहावरे का अर्थ है :
(क) तेज गरमी में चलना (ख) कड़ी मेहनत करना
(ग) चिकित्सकीय जाँच कराना (घ) कष्ट झेलना

61. 'घुटने टेकना' मुहावरे का अर्थ है :
(क) हार मानना (ख) स्वीकार करना (ग) सत्कार करना (घ) अपमानित करना

62. 'गिरगिट की तरह रंग बदलना' मुहावरे का अर्थ है :
(क) लज्जित होना (ख) बुराई करना
(ग) तुरंत–तुरंत विचार बदलना (घ) कपड़े बदलना

63. 'नाकों चने चबाना' मुहावरे का अर्थ है :
(क) युद्ध में जाना (ख) बलिदान होना
(ग) चने की अत्यधिक पैदावार होना (घ) तंग होना

64. 'नौ–दो ग्यारह होना' मुहावरे का अर्थ है :
(क) भाग जाना (ख) डर जाना (ग) छिप जाना (घ) गणित पढ़ने जाना

65. 'साँस' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

66. 'ओस' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

67. 'मूँछ' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

68. 'चील' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

69. 'होश' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

70. 'लड़कपन' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

71. 'बुढ़ापा' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

72. 'परीक्षा' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

73. 'माला' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

74. 'मित्रता' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

75. 'बात' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

76. 'सिंधु' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

77. 'आलस' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

78. 'आईना' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

79. 'इनाम' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

80. 'इस्तीफा' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

81. 'ऊख' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

82. 'खटमल' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

83. 'ढोलक' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

84. 'शंका' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

85. 'लोकोत्सव' का संधि–विच्छेद होगा :
(क) लोक + उत्सव (ख) लोको + उत्सव (ग) लोकोत्स + व (घ) लो + कोत्सव

86. 'यथार्थ' का संधि–विच्छेद होगा :
(क) यथ + अर्थ (ख) यथा + अर्थ (ग) यथा–आर्थ (घ) य + थार्थ

87. 'पवन' का संधि–विच्छेद होगा :
(क) प + वन (ख) पव + न (ग) पो + अन (घ) पो + वन

88. 'वधूत्सव' का संधि–विच्छेद होगा :
(क) वधू + उत्सव (ख) वधूत् +सव (ग) व + धूत्सव (घ) वध + उत्सव

89. 'महेश' का संधि–विच्छेद होगा :
(क) मह + ईश (ख) महा + एश (ग) महा + ईश (घ) महा + एश

90. 'महीश' का संधि–विच्छेद होगा :
(क) महा + ईश (ख) मही + ईश (ग) महि + ईश (घ) मह + ईश

❖❖❖